an>

Title: Need to enhance the amount of rent for agricultural land used for laying crude oil pipelines in Sanchore in Jalore Parliamentary Constituency, Rajasthan.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर): उपाध्यक्ष महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र स्थित सांचौर में केयर्न इण्डिया द्वारा वार्षिक एक बीघा जमीन पर 15 हजार रुपये किराया दिया जाता है जो वहां के किसानों के लिए बहुत ही कम है। बाड़मेर जिला में भी प्रत्येक बीघा 15 हजार रुपये किराया है। बाड़मेर जिला में किसान एक साल में एक ही फसल लेते हैं, जबकि सांचौर के किसान रबी और खरीफ की दो फसल उपजाते हैं। इसलिए यहां के किसानों के खेतों से कच्चे तेल की पाइप लाइन निकालने से काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। अतः सांचौर में किसानों के खेतों का किराया 30 हजार से 50 हजार रुपये किया जाना अति आवश्यक है।

केयर्न बनर्जी द्वारा किसानों से वर्ष 2003 में जमीन किराये पर ली गयी थी। पाइपलाइन बिछाने का कार्य लगभग एक साल से ऊपर चलता रहा। जिन खेतों से पाइप लाइन निकाली गयी वहां और आस-पास फसल नहीं बोने दी गयी, जिसके कारण किसानों को खरीफ एवं रबी की फसलों से वंचित रहना पड़ा। इन खेतों को कम्पनी द्वारा समतल नहीं किया गया, जिससे किसानों को अपनी जमीन को उपजाऊ बनाने में अनेक वर्ष लग गए। कम्पनी द्वारा सड़क के किनारे की जमीन को लीज पर लिया गया है जिससे अनेक जगहों पर अंदर के खेतों पर जाने का रास्ता कम्पनी द्वारा नहीं देने के कारण किसानों को अपने खेतों पर जाने में असुविधा होती है। अनेक वर्षों से किसान अपने ही खेतों पर सुगमता से नहीं जा पा रहे हैं।

अतः सदन के माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि किसानों को हुए नुकसान का पूरा मुआवजा दिया जाए तथा खेतों का किराया जल्द से जल्द बढ़ाया जाए।